मृदुल पत्रिका समाचार पत्र को समस्त जिलों एवं तहसील-कस्बों में संवाददाताओं की आवश्यकता है। सम्पर्क सूत्र 9828888853

दैनिक मृदुल पत्रिका

राजस्थान, दिल्ली, उत्तरप्रदेश एवं हरियाणा से प्रकाशित

हमारे यहां किताबों व समाचार पत्रों की प्रिन्टिंग की जाती है सम्पर्क सूत्र 9571039307 (भरत प्रिंटर्स एण्ड सैल्स कॉर्पोरेशन)

पृष्ठ 8 वर्ष 16 मूल्य 2.00 रुपए अंक 48 | जयपुर, शुक्रवार, 27 सितम्बर, 2024 | RNI/RAJHIN/2008/27048 | dainikmridulpatrika@gmail.com | 9413193990

सीरी में सीएसआईआर के 83वें स्थापना दिवस समारोह का आयोजन आज

वैज्ञानिक शोध कार्यों से आम जनता को जोड़ने में भी सीएसआईआर की अहम भूमिका

पिलानी (मृदुल पत्रिका)। देश में सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे बड़े शोध एवं विकास संगठन वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) का 83वां स्थापना दिवस पिलानी स्थित राष्ट्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला सीएसआईआर-केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान(सीरी) में 27 सितंबर को मनाया जा रहा है। इस अवसर पर डॉ जगदीश राणे, निदेशक, केंद्रीय शुष्क बागवानी संस्थान, बीकानेर समारोह के मुख्य अतिथि तथा सीरी के पूर्व वरिष्ठ वैज्ञानिक शारदा प्रसाद एवं डॉ पी भानुप्रसाद इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि होंगे। सीएसआईआर स्थापना दिवस

समारोह में विगत वर्ष में संस्थान से सेवानिवृत्त हुए सहकर्मियों तथा परिषद में 25 वर्ष की सेवा पूरी करने वाले संस्थान के सहकर्मियों को उनकी समर्पित सेवा के लिए सम्मानित किया जाता है। इसके अलावा सीएसआईआर निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया जाता है। समारोह में मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा स्थापना दिवस उदबोधन भी दिया जाएगा। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ पी सी पंचारिया द्वारा परिषद की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, प्रमुख शोध कार्यों का विवरण तथा विगत वर्ष के दौरान द्वारा अर्जित उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला जाएगा। सीएसआईआर स्थापना दिवस का मुख्य समारोह 26 सितंबर को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय कृषि विज्ञान परिसर(एन ए एस सी), पूसा में आयोजित किया गया जिसमें सीरी के निदेशक डॉ पी सी पंचारिया सहित सीएसआईआर की अन्य प्रयोगशालाओं के निदेशक भी सम्मिलित हुए। यह भी गौरतलब है कि भारत को वैज्ञानिक एवं औद्योगिक दृष्टि से आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से सुप्रसिद्ध राजनीतिज्ञ ऑरकॉट रामास्वामी मुदलियार और सीएसआईआर के प्रथम महानिदेशक डॉ शांतिस्वरूप भटनागर के प्रयासों से वर्ष 26 सितंबर 1942 को राष्ट्र के प्रथम अनुसंधान संगठन 'सीएसआईआर' का गठन किया गया। सीएसआईआर अपनी 38 राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं के माध्यम से राष्ट्र की सेवा में समर्पित है। विगत 80 वर्षों में परिषद ने रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, इलेक्ट्रॉनिकी, पर्यावरण, औषधि, धातुविज्ञान, समुद्रविज्ञान, सूक्ष्म जीवविज्ञान, जैवप्रौद्योगिकी, वांतरिक्ष, वनस्पति विज्ञान आदि क्षेत्रों में अपने अनुसंधानों व अंतरराष्ट्रीय पेटेन्टों के माध्यम से विश्व में वैज्ञानिक समुदाय के समक्ष राष्ट्र को अग्रिम पंक्ति में खड़ा किया है। वर्तमान में सीएसआईआर भारत सरकार के अनेक नेटवर्क कार्यक्रमों, प्रायोजित परियोजनाओं तथा शोध एवं विकास कार्यों के माध्यम से राष्ट्रीय महत्व का कार्य कर रहा है। संघटक प्रयोगशालाओं व संस्थानों के वैज्ञानिक शोध कार्यों से आम जनता को जोड़ने में भी सीएसआईआर अहम भूमिका निभा रहा है।